साझेदारी के पक्ष में
हिंदी कथा साहित्य

नामदेव

साझेदारी के पक्ष में
हिंदी कथा साहित्य

नामदेव

प्रभाकर प्रकाशन

इस पुस्तक का प्रकाशन एवं विक्रय इस शर्त पर किया जा रहा है कि लेखक की लिखित पूर्वानुमति के बिना इस पुस्तक या इसके किसी भी अंश को न तो पुनः प्रकाशित किया जा सकता है और न ही किसी भी अन्य प्रकार से, किसी भी रूप में इसका व्यावसायिक उपयोग किया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

ISBN: 978-81-94883-51-7
eISBN: 978-81-94883-55-5

© लेखकाधीन

प्रकाशक: प्रभाकर प्रकाशन
प्लॉट नं.-55, मेन मदर डेयरी रोड
पांडव नगर, ईस्ट दिल्ली-110092
फोन: 011-40395855
व्हाट्स ऐप: +91 8447931000
ई-मेल: Sales@pharosbooks.in
वेबसाइट: www.pharosbooks.in
संस्करण: 2020
आवरण: अभिषेक कुमार उपाध्याय
कवर डिज़ाइन: वीरेन्द्र सिंह भंडारी
इनर डिज़ाइन: सुरेन्द्र कुमार
मुद्रक: सुषमा बुक बाइंडिंग हाउस ओखला इंडस्ट्रियल
एरिया फेस-II, नई दिल्ली-110020

साझेदारी के पक्ष में हिंदी कथा साहित्य

नामदेव

॥ विषय-सूची ॥

खंड-क

	भूमिका	7
1.	साझे मूल्यों की तलाश में: 'कठपुतली'	23
2.	खुशवंत सिंह की अमर रचना: 'पाकिस्तान मेल'	29
3.	कुछ प्रश्न राष्ट्र के: 'झूठा सच'	33
4.	सांप्रदायिक संस्कृति के परिणाम: 'लौटे हुए मुसाफिर'	37
5.	सांप्रदायिकता बनाम मनुष्यता का प्रश्न: 'तमस'	41
6.	हिंदुस्तान की यादें: 'बस्ती'	46
7.	सांप्रदायिकता की पड़ताल: 'शहर में कर्फ्यू'	50
8.	गुलामी अभी बाकी है: 'मुसलमान'	54
9.	कौमी मोहब्बत की दास्तान: 'दिलो-दानिश'	60
10.	सांप्रदायिक आतंक की पराकाष्ठा: 'लज्जा'	64
11.	हिंदू सांप्रदायिकता के मुखौटे: 'वे वहाँ कैद हैं'	74
12.	सत्ता और वर्चस्व का संघर्ष: 'सभा पर्व'	78
13.	इंसानी संस्कृति की ज़रूरत:'हमारा शहर उस बरस'	82
14.	सांप्रदायिकता के दुष्परिणाम: 'काला पहाड़'	87
15.	मज़हब के सवाल और 'कितने पाकिस्तान'	93
16.	दंगों का सच: 'दंगा'	97
17.	मुक्त प्रेम, बंद धर्म: 'नीलू, नीलिमा, नीलोफर'	102
18.	सांप्रदायिक अनुभव का प्रतिबिंब: 'उपयात्रा'	108

19. हिंदू-मुस्लिम राग-रंग: 'अगिन पाथर' 113
20. हिंदुत्व की प्रयोगशाला: 'मुन्नी मोबाइल' 119

खंड-ख

21. राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह बनाम इंसानियत की खोज 125
22. मनुष्य जीवन के कहानीकार: मंटो 130
23. साहित्य में छह दिसंबर 136
24. 19वीं सदी के अंत और उसके बाद सांप्रदायिकता के नए संदर्भ 141
25. भारत में मुस्लिम व्यक्ति का भविष्य 146
26. हिंदू-मुस्लिम एकता तथा अतीत की विरासत 152
27. सांप्रदायिकता, मुसलमान और हिंदी उपन्यास 160
28. आस्थाओं का लोकतंत्र और हिंदी कथा साहित्य 166
29. सांप्रदायिकता के विरुद्ध 'पार्टीशन' की कहानी 170
30. भारतीय मुसलमानों का सच 175

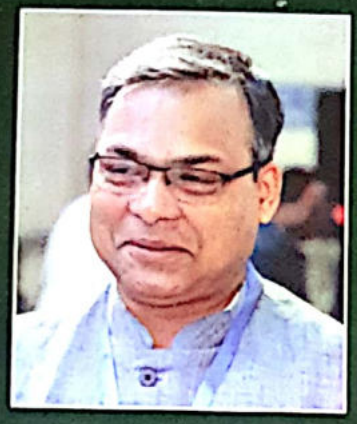

साझेदारी के पक्ष में
हिंदी कथा साहित्य

परिचय:-
नाम : डॉ. नामदेव
जन्म : 07 अगस्त, 1971
शिक्षा : एम.ए. हिंदी साहित्य, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
एम.फिल. एवं पीएच.डी. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
प्रकाशित पुस्तकें:
समझे जाने का वर्द (कविता संग्रह) 2020
छप्पर की दुनिया: मूल्यांकन और अवदान (2020)
भारतीय मुसलमान: हिन्दी उपन्यासों के आईने में, 2009
दलित चेतना और स्त्री विमर्श, 2009
ज्योतिबा फुले: सामाजिक क्रांति के अग्रदूत, 2012
पर्यावरण प्रदूषण: समाज, साहित्य और संस्कृति, 2012
आलोचना की तीसरी परंपरा और डॉ. जयप्रकाश कर्दम, 2014
स्त्री स्वर: अतीत और वर्तमान, 2019
पत्रिकाएं:
हंस, इंद्रप्रस्थ भारती, वसुधा, बनास जन, मंतव्य, जन विकल्प, कदम, नई धारा, स्पर्श, युद्धरत आम आदमी, सामाजिक न्याय संदेश, योजना, युगांतर टुडे, भाषा, सब लोग, समीक्षा, संवेद, सेतु, अनभै सांचा, सेकुलर डेमोक्रेसी, समय सरोकार, वर्तमान संदर्भ, अणुं संकेत, हाशिए की आवाज, हम दलित, अंतिम जन, साहित्य मंडल पत्रिका (केरल), हिंदुस्तान, प्रभात खबर इत्यादि पत्र-पत्रिकाओं सहित विभिन्न किताबों में शोध-पत्र, आलेख, साक्षात्कार, कहानियाँ एवं कविताएं प्रकाशित।

एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली के भाषा विभाग द्वारा पुस्तक निर्माण समितियों में विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल।
संयोजक: फर्स्ट एण्ड सेकेंड दलित लिटरेचर फेस्टिवल 2019, 2020
अंबेडकर सोसायटी फॉर साउथ एशिया, लाहौर (पाकिस्तान) में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर व्याख्यान, दिसंबर 2019
संस्थापक सदस्य: दलित लेखिका परिषद, दलेप
संपादक: रिदम पत्रिका
रुचि: दलित, मुसलमान और स्त्री संदर्भित सामाजिक मुद्दों एवं हिन्दी कथा साहित्य में विशेष रुचि
संप्रति: हिंदी विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-07 में एसोसिएट प्रोफेसर
ईमेल: namdevkmcdelhi@gmail.com

eBook available
₹ 225
प्रभाकर प्रकाशन
www.pharosbooks.in
कवर डिज़ाइन: वीरेन्द्र सिंह भंडारी

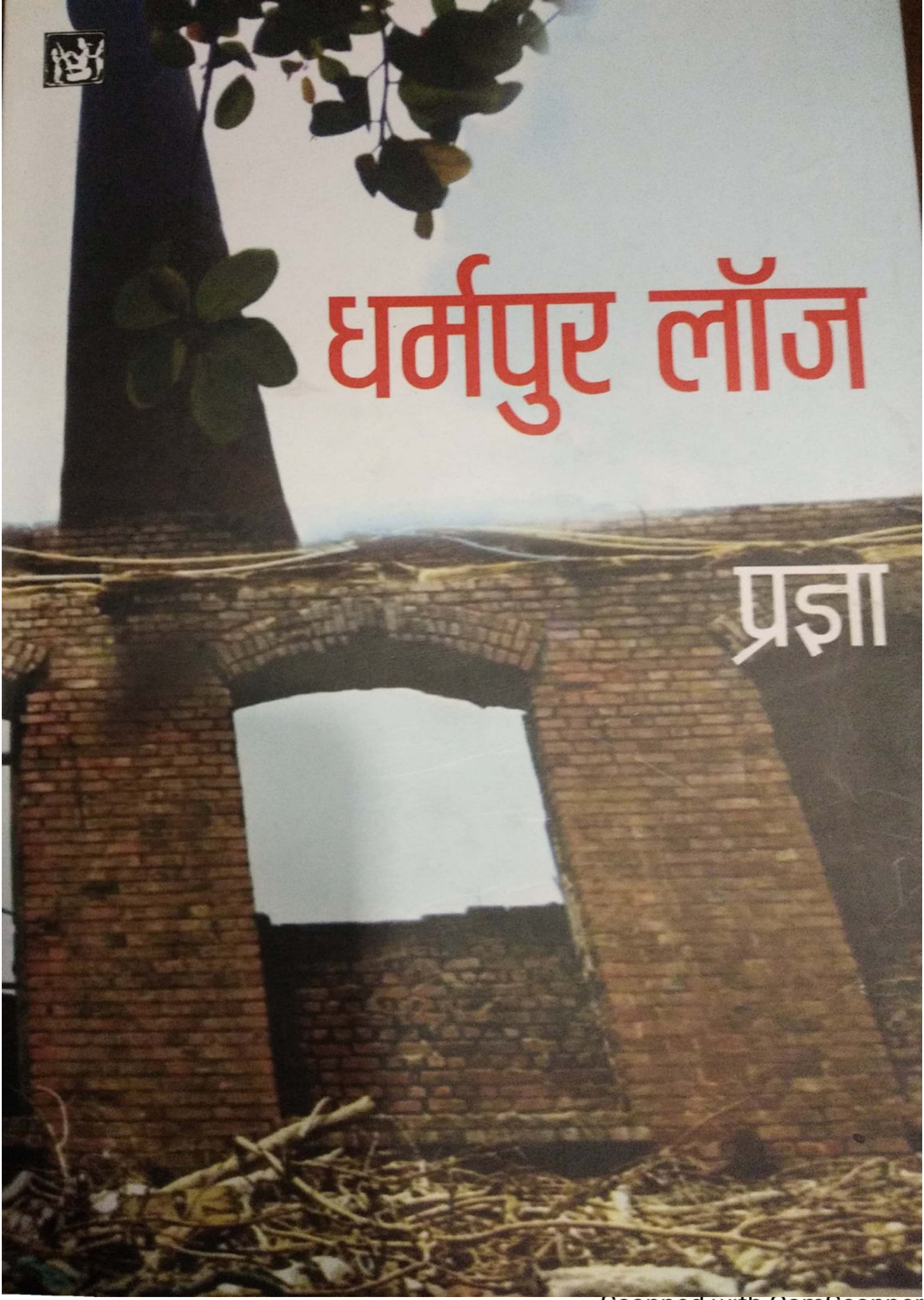

Scanned with CamScanner

लोकभारती प्रकाशन
पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग
इलाहाबाद-211 001

वेबसाइट : www.lokbharatiprakashan.com
ईमेल : info@lokbharatiprakashan.com

शाखाएँ : 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज
नई दिल्ली-110 002
अशोक राजपथ, साइंस कॉलेज के सामने
पटना-800 006 (बिहार)
36-ए, शेक्सपियर सरणी
कोलकाता-700 017 (प. बंगाल)

मूल्य : ₹ 500

प्रथम संस्करण : 2020

© प्रज्ञा

सिटी ऑफसेट
इलाहाबाद द्वारा मुद्रित

DHARMPUR LODGE
by Pragya

ISBN : 978-93-89742-08-4

Scanned with CamScanner

प्रज्ञा

जन्म : दिल्ली
शिक्षा : दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में पी-एच.डी. ।
प्रकाशित कृतियाँ : ***कहानी संग्रह :*** तक़सीम, मन्नत टेलर्स।
उपन्यास : गूदड़ बस्ती
नाट्यालोचना से संबंधित किताबें : नुक्कड़ नाटक : रचना और प्रस्तुति, जनता के बीच : जनता की बात, नाटक से संवाद, नाटक : पाठ और मंचन,
बाल-साहित्य : तारा की अलवर यात्रा
सामाजिक सरोकारों पर आधारित किताब : ाईने के सामने.
रस्कार : सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत रकार की ओर से 'तारा की अलवर यात्रा' को प्रथम रस्कार, वर्ष 2008. प्रतिलिपि डॉट कॉम, कथा-म्मान 2015. 'तक्सीम' कहानी को प्रथम पुरस्कार. न्यास 'गूदड़ बस्ती' को मीरा स्मृति पुरस्कार 16, स्टोरी मिरर डॉट कॉम कांटेस्ट-3, 2017, ानी 'पाप, तर्क और प्रायश्चित' को प्रथम स्कार. कहानी-संग्रह 'तक्सीम' को प्रथम पुरस्कार। द्र प्रताप स्मृति कथा पुरस्कार-2019

प्रति : किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय हिंदी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर।
र्क : ई-112, आस्था कुंज, सैक्टर-18, णी, दिल्ली-110089
ल : pragya3k@gmail.com

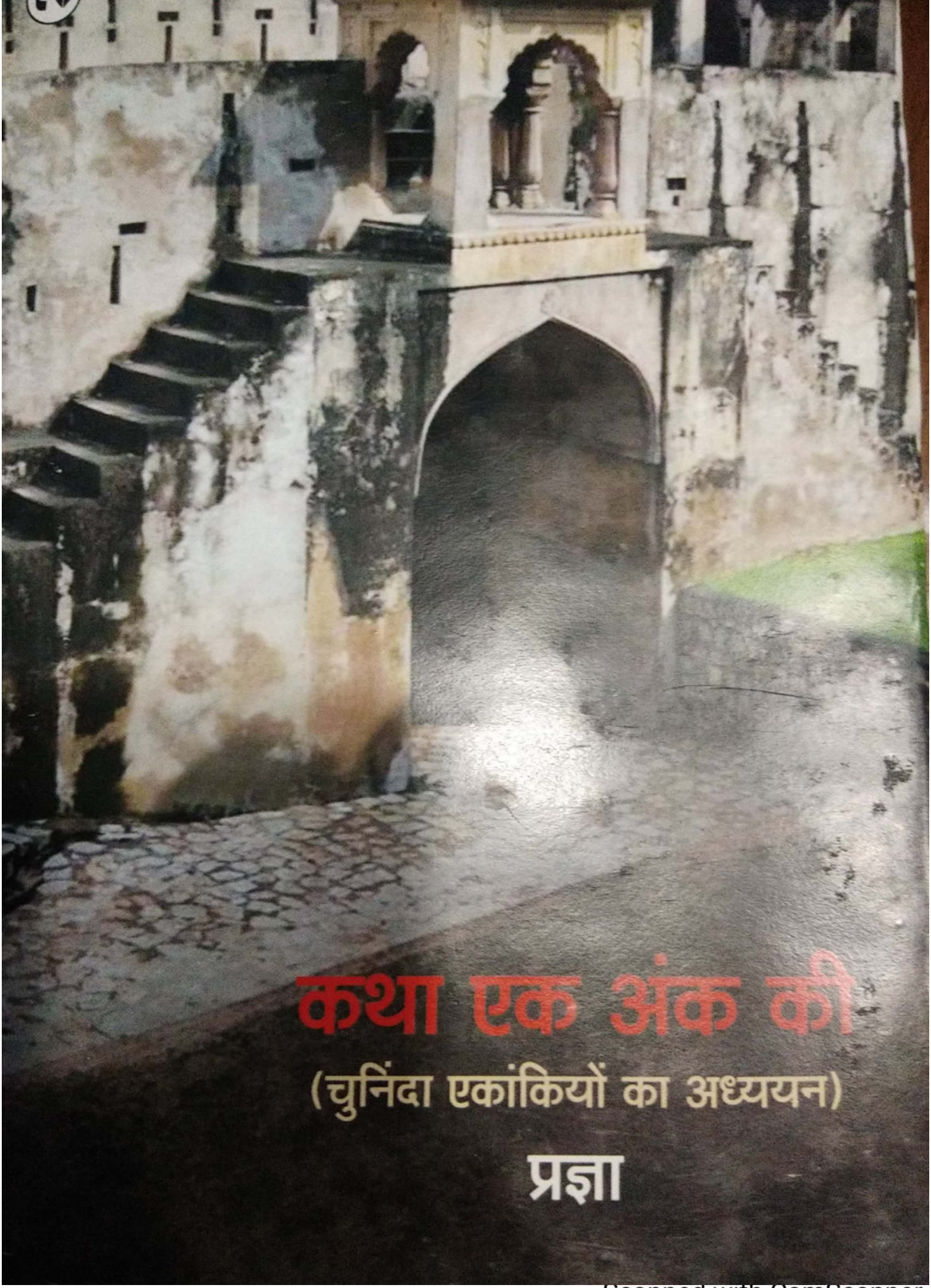

कथा एक अंक की

(चुनिंदा एकांकियों का अध्ययन)

प्रज्ञा

Scanned with CamScanner

कथा एक अंक की : चुनिंदा एकांकियों का अध्ययन

ISBN : 978-81-945946-0-4

प्रकाशक : **साहित्य भंडार**
50, चाहचन्द (जीरो रोड), प्रयागराज-211 003

फोन : 9415214878, 8874029428

ई-मेल : sahityabhandar50@gmail.com

प्रथम संस्करण : **2020**

मूल्य : ₹ 450.00

© : **प्रज्ञा**

लेजर टाइपसेटिंग : **अमन कम्प्यूटर**, बेनीगंज, प्रयागराज

मुद्रक : **भगवती प्रिण्टर्स**, प्रयागराज

Katha Ek Ank Ki : Chuninda Ekankiyon Ka Addhyan by Pragya

Scanned with CamScanner

प्रज्ञा

जन्म : दिल्ली

शिक्षा : दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में पीएच.डी.

प्रकाशित किताबें

कहानी संग्रह : तक्सीम 2016, मन्नत टेलर्स 2019

उपन्यास : गूदड़ बस्ती 2017, धर्मपुर लॉज 2020

नाट्यालोचना से संबंधित किताबें

नुक्कड़ नाटक : रचना और प्रस्तुति 2006, जनता के बीच : जनता की बात, (संपादित नुक्कड़ नाटक-संग्रह) 2008, नाटक से संवाद 2016, नाटक : पाठ और मंचन 2018

बाल-साहित्य : तारा की अलवर यात्रा 2008

सामाजिक सरोकारों पर आधारित किताब : आईने के सामने 2013

पुरस्कार :

सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से पुस्तक 'तारा की अलवर यात्रा' को प्रथम पुरस्कार। वर्ष 2008 का भारतेंदु हरिश्चंद्र पुरस्कार। प्रतिलिपि डॉट कॉम कथा-सम्मान 2015 'तक्सीम' कहानी को प्रथम पुरस्कार। उपन्यास 'गूदड़ बस्ती' मीरा स्मृति पुरस्कार 2016 से पुरस्कृत। स्टोरी मिरर डॉट कॉम कांटेस्ट-3, 2017 कहानी 'पाप, तर्क और प्रायश्चित' को प्रथम पुरस्कार। कहानी-संग्रह 'तक्सीम' को महेंद्र प्रताप स्मृति कथा पुरुस्कार-2019, प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत। उपन्यास 'धर्मपुर लॉज' शिवना अन्तर्राष्ट्रीय कथा-सम्मान 2020 से सम्मानित।

जनसंचार माध्यमों में भागीदारी

राष्ट्रीय दैनिक समाचार-पत्रों और विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं में नियमित लेखन। आकाशवाणी और दूरदर्शन के अनेक कार्यक्रमों के लिए लेखन और भागीदारी। नाटक और कहानी की कार्यशालाओं, संगोष्ठियों का आयोजन और भागीदारी।

सम्प्रति : किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर।

सम्पर्क : ई-112, आस्था कुंज, सैक्टर-18, रोहिणी, दिल्ली-110089

pragya3k@gmail.com दूरभाष-9811585399

साहित्य भंडार 1964 2014 50 साहित्य के पचास वर्ष

आवरण : साहित्य भंडार • आवरण चित्र : राकेश

9 788194 594604

Scanned with CamScanner

विमर्श दृष्टि

(पंकज सुबीर की कहानियाँ)

शिवना पेपरबैक्स

आलोचना

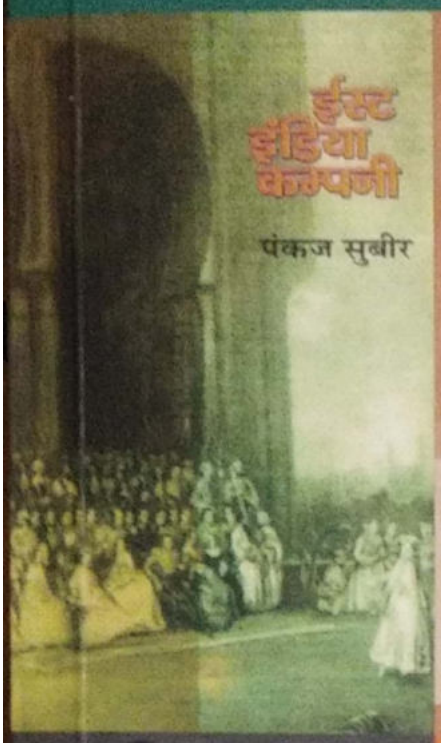

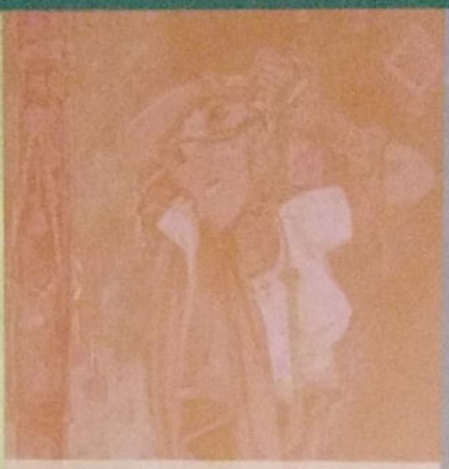

महुआ घटवारिन
और अन्य कहानियां
पंकज सुबीर

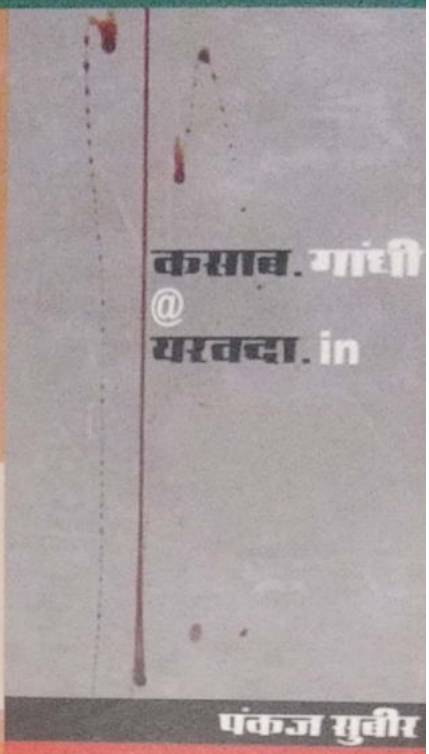

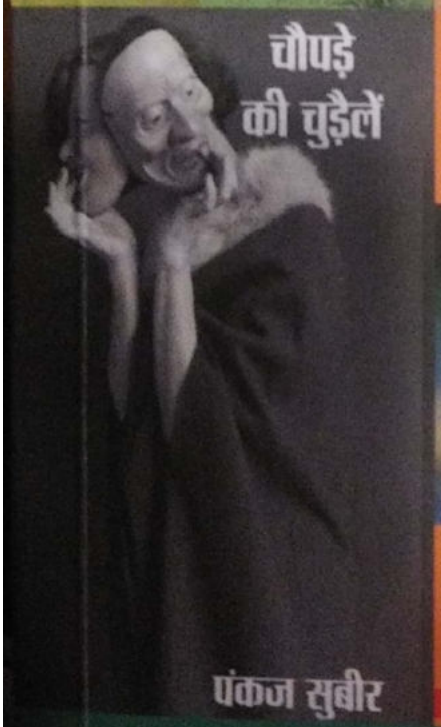

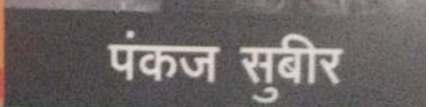

सम्पादक

राकेश कुमार

Scanned with CamScanner

ISBN : 978-93-81520-78-9
विमर्श दृष्टि - पंकज सुबीर की कहानियाँ
© राकेश कुमार

प्रथम संस्करण - 2020
मूल्य - 450 रुपये

प्रकाशक
शिवना प्रकाशन
पी. सी. लैब, सम्राट कॉम्प्लैक्स बेसमेंट
बस स्टैंड, सीहोर 466001 म.प्र.
फोन - +91-7562405545
मोबाइल - +91-9806162184(शहरयार अमजद खान)
ईमेल - shivna.prakashan@gmail.com

आवरण डिज़ाइन - सनी गोस्वामी
कम्पोसिंग-ले आउट - सुनील पेरवाल, शिवम गोस्वामी
मुद्रक - थॉमसन प्रेस, नई दिल्ली

Vimarsh Drishti Pankaj Subeer Ki Kahaniyan, Dr. Rakesh Kumar, Published by: Shivna Prakashan, Price 450Rs.

Scanned with CamScanner

अनुक्रम

संपादकीय

कथाकार जो अपने समय की धड़कन गिन रहा है / डॉ. राकेश कुमार / 11

कहानियों पर - 19

अनुभवों की विविधता और शिल्प का रचाव / डॉ. विजय बहादुर सिंह / 21
दृष्टि संपन्न गहन सर्जनात्मक अभिव्यक्ति / चित्रा मुद्गल / 26
भीतरी नहीं, बाहरी दुनिया के कथाकार / सुधांशु गुप्त / 27
सामाजिक अनुभव को रचनात्मकता में बदलने का हुनर / महेश कटारे / 35
पंकज सुबीर कुशलता से दृश्य निर्मित करते हैं / सुधा ओम ढींगरा / 43
नये रूप में कथारस की वापसी / सुशील सिद्धार्थ / 56
कथ्य शिल्प पंकज सुबीर.कॉम/ भालचन्द्र जोशी / 57
वे शब्दों से शब्दों को जोड़ देते हैं / राजेश बादल / 63
कहानियों में मनुष्यता की अनेक छवियाँ / उर्मिला शिरीष / 68
जादुई यथार्थ की विश्वसनीय कहानियाँ / सूर्यकान्त नागर / 74
व्यक्ति और समाज के अंतर्मन की रहस्य-गाथा / प्रज्ञा / 79
अपनी कहानियों में तिलिस्म रचते हैं पंकज सुबीर / अशोक प्रियदर्शी / 86
लेखक किसी को भी माफ़ करने के लिये तैयार नहीं है / डॉ. पुष्पा दुबे / 90
डरावने नाम के पीछे हैं संवेदनशील कहानियाँ / ब्रजेश राजपूत / 104
ख़ास ढंग के तेवर / अरुण नारायण / 106
कहानियाँ बड़े गम्भीर प्रश्नों को समाहित किए हुए हैं / डॉ. सीमा शर्मा / 108
आधुनिक समाज में बदले मानवीय मूल्यों की कहानियाँ / अतुल वैभव / 114
पंकज सुबीर की कहानियों का स्त्री पक्ष / प्रतिभा सिंह / 127
गहरा कटाक्ष वर्तमान राजनैतिक समय और समाज पर / पारुल सिंह / 136
पंकज सुबीर की कहानियों में विचार और संवेदना / अलका मिश्रा / 141
लेखक के लेखन कौशल का चरम / वंदना गुप्ता / 145
गाँव से महानगरों तक फैले जीवन की कहानियाँ / सारंग उपाध्याय / 155
अबाध और रोचक क़िस्सागोई / पंकज कौरव / 158
बहुत सशक्त कहानियाँ / वंदना अवस्थी दुबे / 163
आज के समय के किरदार / अंकित जोशी / 166
विषयों का टोटा नहीं है पंकज के पास / अशोक प्रियदर्शी / 177

Scanned with CamScanner

व्यक्ति और समाज के अंतर्मन की रहस्य-गाथा

प्रज्ञा

आज हिंदी कहानी में कई पीढ़ियों के कथाकार एक साथ सक्रिय हैं। पीढ़ी विभेद से परे वे सामूहिक रूप से समय की विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहे हैं। जाहिर है कि इन सभी का अपने समय को देखने का नज़रिया और उसे कहानी में प्रस्तुत करने की प्रविधियाँ भिन्न-भिन्न हैं पर यह कहना सम्भवत: अतिश्योक्ति न होगी कि विषय, भाषा, शैली, शिल्प के अनेक प्रयोग हिंदी कहानी में हो रहे हैं। यदि मात्र विषयों को ही लें तो आप देखेंगे कि आज विविध विषयों पर लिखा जा रहा है। पर्यावरण, राजनीति, जेंडर, भूमंडलीकरण के बाद आए आर्थिक परिवर्तन, नया साम्प्रदायिक रूढ़िवाद, गाँवों से शहर क़स्बों में विस्थापन से लेकर अन्य स्थानीय-वैश्विक विषयों पर आज लिखा जा रहा है। आज की कहानी न सिर्फ इन विषयों को पकड़ रही है बल्कि पाठक को भी उस चिंतन धारा में लाने का बेहद सचेत प्रयास कर रही है। विविधता के इस दृष्टिकोण से हिंदी कहानी का समकाल रोचक भी है और महत्त्वपूर्ण भी।

इधर की कहानी समय के जटिल यथार्थ को अभिव्यक्त करने के क्रम में अनेक समस्याओं से जूझते हुए उस मानवीय संवेदना को पाने की जद्दोजहद में लगी दिखाई देती है जो आज समाज, रिश्तों और संबंधों से छीजती चली जा रही है। कई बार कहानी इस संवेदना को भावुकता के छोर से पकड़ती है तो कई बार यथास्थिति से वस्तुपरकता के धरातल पर संघर्षरत रहकर। कई बार कथा-भाषा मार्मिकता के तंतुओं से निर्मित होती है तो अनेक बार व्यंग्य के ताने-बाने से। नयी सदी की उभरती कथा पीढ़ी के सशक्त रचनाकार पंकज सुबीर का नया कहानी संग्रह 'चौपड़े की चुड़ैलें' इस बात की तस्दीक करता है। संग्रह की भिन्न-भिन्न विषयों पर लिखी नौ कहानियों में एक बेचैन, ख़तरनाक और अनेक बार मनुष्य विरोधी समय को देखने-परखने और विश्लेषित करने की प्रक्रिया साथ चलती है और साथ में चलता है मनुष्य की सहज मनुष्यता, ईमानदारी, जिजीविषा को बचाए रखने और दर्ज करते चलने

Scanned with CamScanner

Chemical Science Review and Letters
NAAS Rating 4.75 | International Chemistry Journal | E Journal of Chemistry | Biochemistry | Agricultural Chemistry Journal | Soil, Nutrition, Food Science | Chem Sci Rev Lett |

Green Inhibitors for Mitigation of Corrosion of Metals

Article Views: 642

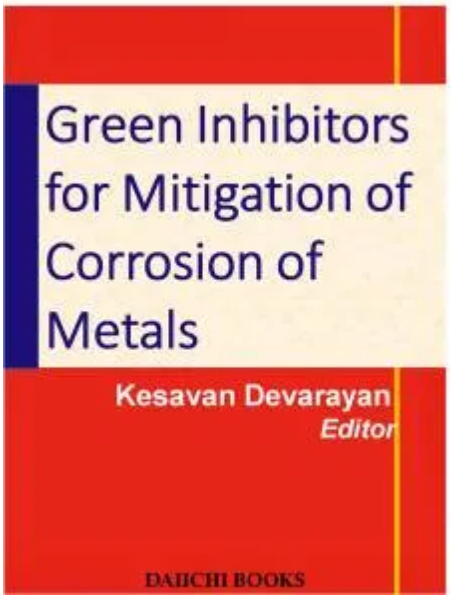

Green Inhibitors for Mitigation of Corrosion of Metals

Author : Dr. Kesavan Devarayan (*Editor*)

ISBN : 978-81-944270-3-2

Publisher : Daiichi Books, Chemical Science Review and Letters

Language : English

Pages : 130

Publication Year : 2020

Binding : Paperback

Price : ₹300

Place your advance order at admin@chesci.com

Status: Submission for New Chapters is OPEN

Recently accepted chapter.

1. Green Inhibitor: A Potential Future Environmental Compatible Alternative for Mitigation of Corrosion by Arun Kant, Panmei Gaijon, Sudipta Ghosh and M. Ramananda Singh.
2. Amino Acid Derivatives as Inhibitors for Acid Corrosion of Mild Steel by R. Maheswari.

Like 0

Related

Thermodynamic study of Green Corrosion Inhibitor on Mild Steel with Aqueous Extract of Ziziphus

Quantum Chemical Study of Some Antihistamines as Inhibitors Corrosion for Copper in Nitric Acid Solution Using DFT Method

Biochemical Variability study in Genotype and Isolate of Alternaria Blight in Pigeonpea

Jujuba Stem and Fruits in 1M HCl Solution

Thermodynamic Study of Green Corrosion Inhibitor on Mild Steel with Aqueous Extract of Ziziphus Jujuba Stem and Fruits in 1M HCl Solution Rakesh Kumar Dubey1,

January 14, 2020

In "Issue 33"

Quantum Chemical Study of Some Antihistamines as Inhibitors Corrosion for Copper in Nitric Acid Solution Using DFT Method M. A. Tigori1*, A. Kouyate1, V. Kouakou2,

February 26, 2020

In "Issue 33"

Biochemical Variability study in Genotype and Isolate of Alternaria Blight in Pigeonpea Laxman Prasad Balai, R B Singh, Asha Sinha and S M Yadav Keywords:

January 23, 2020

In "Issue 33"

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

Dr. Shachi Shah
Associate Professor
School of Interdisciplinary & Transdisciplinary Studies
E: sshah@ignou.ac.in
Mobile No.-9873914160

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

Dr. Sanjay Agrawal, Associate Professor,
Electrical EngineeringSchool of Engineering and Technology, IGNOU, Maidan Garhi, New Delhi

Dr. Shayam, 775, Avas Vikas Colony, Veerbhadra Road, Rishikesh,
Dehradun 249201

Dated: 12/06/2019/6175

CERTIFICATE

This is to certify that **Dr. Sanjay Agrawal** and **Dr. Shayam** and has contributed a unit entitled "Solar and Hydropower Energy" for the Course "Sustainable Natural Resource Management" (MEV-014) for **M.Sc. (Environmental Science) programme**.

The unit is very well written and we sincerely thank them for their contribution as a unit writer for the programme and hope in future too we would continue to get their invaluable support for enriching the learning experience of the distance learners of the University.

Thanks and Regards.

Yours sincerely,

(Shachi Shah)
Programme Coordinator

(B. Rupini)
Director, SOITS
डॉ. बि. रूपिणी
निदेशक (एस.ओ.आई.टी.एस.) इग्नू
Dr. B. RUPINI
Director (SOITS) IGNOU